

---

# Ramastotram

---

## रमास्तोत्रम्

---

### Document Information



---

Text title : Ramastotram

File name : ramAstotram.itx

Category : devii, stotra, pArvatI

Location : doc\_devii

Author : shrIhulagIshriyaHpatyAchArya

Proofread by : Pranav Tendulkar

Description/comments : Mantra Stotra Sangraha

Acknowledge-Permission: Vishwa Madhwa Maha Parishat

Latest update : November 14, 2021

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 14, 2021

*sanskritdocuments.org*

---



रमास्तोत्रम्



जय कोल्हापुरनिलये भजदिष्टेतरविलये ।  
तव पादौ हृदि कलये रत्नरचितवलये ॥ १ ॥

जय जय सागरजाते कुरु करुणां मयि भीते ।  
जगदम्बाभिधया ते जीवति तव पोते ॥ २ ॥

जय जय सागरसदना जय कान्त्या जितमदना ।  
जय दुष्टान्तककदना कुन्दमुकुलरदना ॥ ३ ॥

सुररमणीनुतचरणे सुमनःसङ्कटहरणे ।  
सुस्वररञ्जितवीणे सुन्दरनिजकिरणे ॥ ४ ॥

भजदिन्दीवरसोमा भवमुख्यामरकामा ।  
भयमूलाळिविरामा भञ्जितमुनिभीमा ॥ ५ ॥

कुङ्कुमरञ्जितफाले कुञ्जरबान्धवलोल्ले ।  
कलधौतामलचैले कृन्तकुजनजाले ॥ ६ ॥

धृतकरुणारसपूरे धनदानोत्सवधीरे ।  
ध्वनिलवनिन्दितकीरे धीरदनुजदारे ॥ ७ ॥

सुरहृत्पञ्जरकीरा सुमरोहार्पितहारा ।  
सुन्दरकुञ्जविहारा सुरवरपरिवारा ॥ ८ ॥

वरकवरीधृतकुसुमे वरकनकाधिकसुषमे ।  
वननिलयादयभीमे वदनविजितसोमे ॥ ९ ॥

मदकलभालसगमने मधुमथनालसनयने ।  
मृदुलोलालकरचने मधुरसरसगाने ॥ १० ॥

व्याघ्रपुरीवरनिलये व्यासपदार्पितहृदये ।  
कुरु करुणां मयि सदये विविधनिगमगेये ॥ ११ ॥

इति श्रीह्रुलगीश्रियःपत्याचार्यविरचितं श्रीरमास्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Pranav Tendulkar

---



*Ramastotram*

pdf was typeset on November 14, 2021



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

